भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 17 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश में अवदाब के प्रभाव के कारण अगले 2 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और 18 जुलाई को राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 17, 19 और 20 जुलाई को केरल में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है, 17 को तटीय कर्नाटक में और 17 और 18 जुलाई, 2025 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

पिछले 24 घंटों में 17 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- **भारी से अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी):** मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई।
- **भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी):** केरल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़, झारखंड, तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई; **भारी वर्षा (7-11 सेमी):** हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मिजोरम, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई।
- अधिक जानकारी के लिए कृपया **अनुलग्नक I देखें।**

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के निकट चल रही है।
- उत्तर-पश्चिमी राजस्थान पर कल बना सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र धीरे-धीरे उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा और कल 1730 बजे IST पर पाकिस्तान के मध्य भागों और उससे लगे उत्तर-पश्चिमी राजस्थान पर कम दाब क्षेत्र में कमजोर हो गया और आज, 17 जुलाई, 2025 को 0530 बजे IST पर कम स्पष्ट हो गया।
- दक्षिण-पश्चिम बिहार और उससे लगे पूर्वी उत्तर प्रदेश पर कल बना सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा और एक अवदाब में केंद्रित हो गया और आज, 17 जुलाई, 2025 को 0530 बजे IST पर प्रयागराज के निकट दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर केंद्रित हो गया। यह पिछले 3 घंटों के दौरान 3 किमी प्रति घंटे की गति से धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 17 जुलाई, 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में, प्रयागराज से 40 किमी दक्षिण-पश्चिम, सतना से 100 किमी उत्तर-पूर्व, बांदा से 120 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व और खजुराहो से 160 किमी पूर्व में केंद्रित था। अगले 2 दिनों के दौरान इसके दक्षिण उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तरी मध्य प्रदेश में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक द्रोणिका के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मोटे तौर पर देशांतर 70° पूर्व के साथ अक्षांश 30° उत्तर के उत्तर में चल रहा है।

- निचले क्षोभमंडल स्तरों में पाकिस्तान के मध्य भागों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। 10°N पर समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर।
- एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और निचले क्षोभमंडल स्तरों में समीपवर्ती क्षेत्रों पर स्थित है। इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी):** 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश और 18 जुलाई को राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत संभावित।
- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा:** जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 17-23 जुलाई के दौरान; पंजाब, हरियाणा में 17, 21-23 जुलाई को; राजस्थान में 17-19 जुलाई के दौरान। **बहुत भारी वर्षा:** उत्तराखंड में 17 और 20-23 जुलाई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18, 20 और 21 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 17 जुलाई को; हिमाचल प्रदेश में 21-23 जुलाई को।
- **हल्की/मध्यम वर्षा:** अगले 7 दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर गरज, बिजली के साथ संभावित।

पूर्व और मध्य भारत:

- **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी):** 17 जुलाई को मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत संभावित।
- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा:** मध्य प्रदेश में 17, 18 और 21-23 जुलाई को; विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 21-23 जुलाई को; बिहार में 17 और 20-23 जुलाई को; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 17 जुलाई को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा में 19-23 जुलाई को। **बहुत भारी वर्षा:** पश्चिमी मध्य प्रदेश में 18 जुलाई को और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 20 जुलाई को।
- **हल्की/मध्यम वर्षा:** अगले 7 दिनों में क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ संभावित।

पश्चिमी भारत:

- **भारी वर्षा:** कोंकण और गोवा में 17-23 जुलाई के दौरान; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 20-23 जुलाई को; मराठवाड़ा में 17 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर संभावित।
- **हल्की/मध्यम वर्षा:** अगले 5 दिनों में क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर बहुत संभावित।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- **हल्की/मध्यम वर्षा:** अगले 7 दिनों में उत्तर-पूर्वी भारत में कई स्थानों पर गरज, बिजली के साथ संभावित।
- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में 17-22 जुलाई के दौरान; **बहुत भारी वर्षा:** मेघालय में 19 जुलाई को।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी):** केरल में 17, 19 और 20 जुलाई को; तटीय कर्नाटक में 17 जुलाई को; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 17 और 18 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत संभावित।
- **अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा:** केरल और माहे, तमिलनाडु, तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 17-23 जुलाई के दौरान; **भारी वर्षा:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 17-23 जुलाई को; लक्षद्वीप में 19 और 20 जुलाई को; रायलसीमा और तेलंगाना में 17-19 जुलाई को।
- **तेज सतही हवाएँ (40-50 किमी/घंटा):** अगले 5 दिनों में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में बहुत संभावित।
- **हल्की/मध्यम वर्षा:** केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा में कई/कुछ स्थानों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में अगले 7 दिनों में अलग-अलग/छिटपुट वर्षा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

17 जुलाई से 22 जुलाई, 2025 तक मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- केरल, कर्नाटक तटों के साथ और उसके आसपास, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों में।
- सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में।
- मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और आसपास के दक्षिण और उत्तरी अरब सागर में 17 से 22 जुलाई तक।

बंगाल की खाड़ी:

- दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 17 जुलाई को।
- दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में 18 और 19 जुलाई को।
- दक्षिणी और मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 20 जुलाई को।
- तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तटों के पास, मन्नार की खाड़ी में 17 से 22 जुलाई तक।
- अंडमान सागर में 18 से 22 जुलाई तक।

उपरोक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित करने की सलाह दी जाती है।

ii. 17 से 20 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **तटीय कर्नाटक:** मुल्की (जिला दक्षिण कन्नड़) 30; मंगलुरु एपी (जिला दक्षिण कन्नड़), शक्ति नगर (जिला दक्षिण कन्नड़) 21 प्रत्येक; मणि (जिला दक्षिण कन्नड़) 19; मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 18; मंगलुरु (जिला दक्षिण कन्नड़) 17; सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़) 16; पुत्तूर एचएमएस (जिला दक्षिण कन्नड़) 15; बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़), कोटा (जिला उडुपी) 14 प्रत्येक; कारवार (जिला उत्तर कन्नड़) 12; उडुपी (जिला उडुपी) 11; करकला (जिला उडुपी), शिराली पीटीओ (जिला उत्तर कन्नड़), कुंदापुर (जिला उडुपी) 10 प्रत्येक; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 9 प्रत्येक; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़), गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: नईगढ़ी (जिला रीवा) 25; मऊगंज (जिला रीवा) 22; हनुमना (जिला रीवा) 21; बहरी (जिला सीधी) 20; चितरंगी (जिला सिंगरौली) 15; डिंडोरी-एडब्ल्यूएस (जिला डिंडोरी), सेमरिया (जिला रीवा) 13 प्रत्येक; ब्यौहारी (जिला शहडोल), कुसमी (जिला सीधी), मझौली (जिला सीधी), सिहावल (जिला सीधी), रायपुरकर्चुलियान (जिला रीवा), हुजूर (जिला रीवा) 12 प्रत्येक; शाहपुरा (जिला डिंडोरी), रामपुर (जिला सीधी), मनगवां (जिला रीवा) 11 प्रत्येक; देवसेर (जिला सिंगरौली), सराय (जिला सिंगरौली) 10 प्रत्येक; बिरसिंगपुर (जिला सतना) 9; सीधी (गोपदबनास) (जिला सीधी), सिंगरौली-आवास (जिला सिंगरौली), जयसिंह नगर (जिला शहडोल), माडा (जिला सिंगरौली), चुरहट (जिला सीधी), त्योंथर (जिला रीवा) 8 प्रत्येक; गोहपारू (जिला शहडोल), जैतपुर (जिला शहडोल) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: चुनार (जिला मिर्ज़ापुर) 24; मेजा (जिला प्रयागराज) 21; जौनपुर तहसील (जिला जौनपुर) 14; मिर्ज़ापुर सीडब्ल्यूसी (जिला मिर्ज़ापुर) 11; घोरावल (जिला सोनभद्र), रिहंद बांध एफएमओ (जिला सोनभद्र), चुर्क (जिला सोनभद्र) 10 प्रत्येक; वाराणसी/बाब एपी (जिला वाराणसी), वाराणसी बी.एच.यू. (जिला वाराणसी) 9 प्रत्येक; कोरांव (जिला प्रयागराज) 8; प्रयागराज सदर (जिला प्रयागराज), करछना (जिला प्रयागराज) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: भानपुरा (जिला मंदसौर) 21; टिमरनी (जिला हरदा), नरवर (जिला शिवपुरी) 8 प्रत्येक; हरदा (जिला हरदा), करेरा (जिला शिवपुरी), रहटगांव (जिला हरदा) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान:** रामगंजमंडी (कोटा) 19, सरमथुरा (धौलपुर) 9, असनावर (झालावाड़) 8, लालसोट (दौसा) 6;
- **उत्तराखंड**: हरद्वार (जिला हरद्वार) 17; पंतनगर (जिला उधम सिंह नगर) 10; मसूरी (जिला देहरादून) 8;
- **बिहार**: रामपुर (जिला भभुआ), भगवानपुर (जिला भभुआ) 16 प्रत्येक; राघोपुर (जिला वैशाली) 14; नौहट्टा (जिला रोहतास) 13; सासाराम (जिला रोहतास), महनार (जिला वैशाली), सहदेई बुजुर्ग (जिला वैशाली) 12 प्रत्येक; शिवसागर (जिला रोहतास) 11; रोहतास (जिला रोहतास) 10; महुआ (जिला वैशाली), डेहरी (जिला रोहतास), अकोढ़ी गोला (जिला रोहतास) 9 प्रत्येक; चेनारी (जिला रोहतास),

बरबीघा (जिला शेखपुरा), इंद्रपुरी (जिला रोहतास), करगहर (जिला रोहतास), लालगंज (जिला वैशाली), बिदुपुर (जिला वैशाली) 8 प्रत्येक; बांका (जिला बांका), गोरौल/डोली (जिला वैशाली), जंदाहा (जिला वैशाली), झंझारपुर (जिला मधुबनी), बारुण (जिला औरंगाबाद), पातेपुर (जिला वैशाली), हाजीपुर (जिला वैशाली), दुर्गावती (जिला भभुआ), हिलसा (जिला नालंदा), बिंद (जिला नालंदा), बालछी (जिला पटना), तिलौथू (जिला रोहतास), कुदरा (जिला भभुआ) 7 प्रत्येक;

- **झारखंड**: हंटरगंज (जिला चतरा) 13; बोरियो (जिला साहिबगंज) 11; धुरकी (जिला गढ़वा), सुजनी केवीके एडब्ल्यूएस (जिला देवघर), जपला (जिला पलामू) 7 प्रत्येक;
- **मराठवाड़ा**: सेलु (जिला परभणी) 13; घनसावंगी (जिला जालना), वाशी (जिला धाराशिव), रेनापुर (जिला लातूर), मंथा (जिला जालना) 7 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: हिमस्खलन (जिला नीलगिरी) 12; चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 11; तिरुत्तानी (जिला तिरुवल्लुर) 9; नादुवत्तम (जिला नीलगिरी), सिनकोना (जिला कोयंबटूर), वर्थ एस्टेट चेर (जिला नीलगिरी) 8 प्रत्येक; जी बाजार (जिला नीलगिरी), वालपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर), तिरुत्तानी पीटीओ (जिला तिरुवल्लूर), उपासी टी रिसर्च एडब्ल्यूएस (जिला कोयंबटूर), बारवुड (जिला नीलगिरी), तालुक कार्यालय पंडालुर (जिला नीलगिरी) 7 प्रत्येक;
- तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: श्रृंगवारापुकोटा (जिला विजयनगरम) 12;
- **छत्तीसगढ़**: जनकपुर भरतपुर (जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर) 12; पोंडी बचरा (जिला कोरिया) 11; कोटाडोल (जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर) 10; सूरजपुर (जिला सूरजपुर) 9; केल्हारी (जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर) 8; कुसमी (जिला बलरामपुर), डौरा कोचली (जिला बलरामपुर), लटोरी (जिला सूरजपुर), बिहारपुर (जिला सूरजपुर) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय:** सिलचर (जिला कछार) 11;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: भागमंडला (जिला कोडागु) 11; अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 8;
- **रायलसीमा**: पकाला (जिला तिरूपति), चित्तूर (जिला चित्तूर) 10 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: तोरसा चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार) 10; आनंदपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8; कैलाशपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक:** हुनसगी (जिला यादगीर) 9;
- गोवा**:** संगुएम (जिला दक्षिण गोवा) 9;
- **ओडिशा**: जगन्नाथ प्रसाद (जिला गंजम) 7;
- **हिमाचल प्रदेश**: नाहन (जिला सिरमौर) 7;
- **हरियाणा**: साढौरा (जिला यमुनानगर) 7.

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	17- Jul	18- Jul	19- Jul	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	ISOL	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	FWS	SCT	ISOL	ISOL	FWS	FWS	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

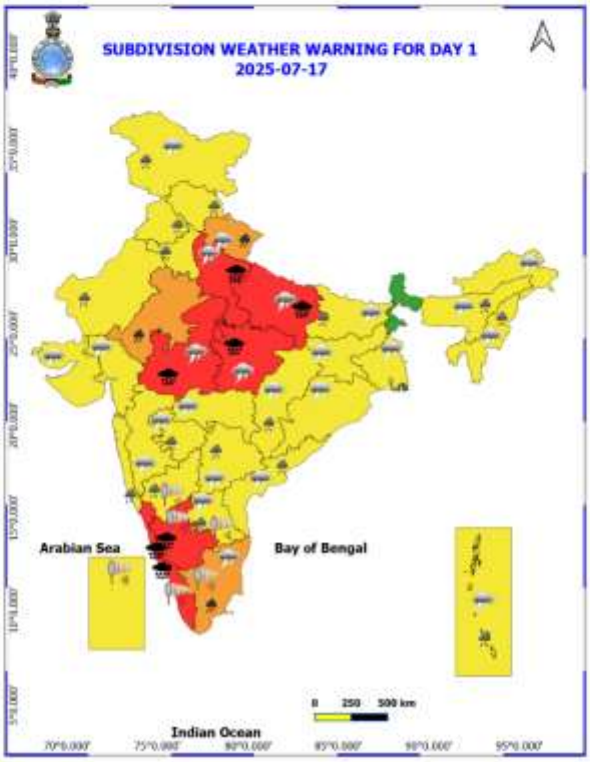
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

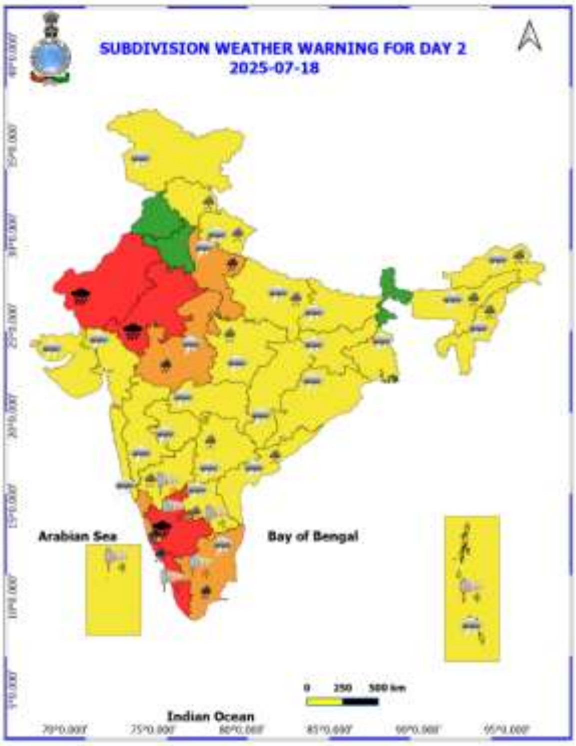
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

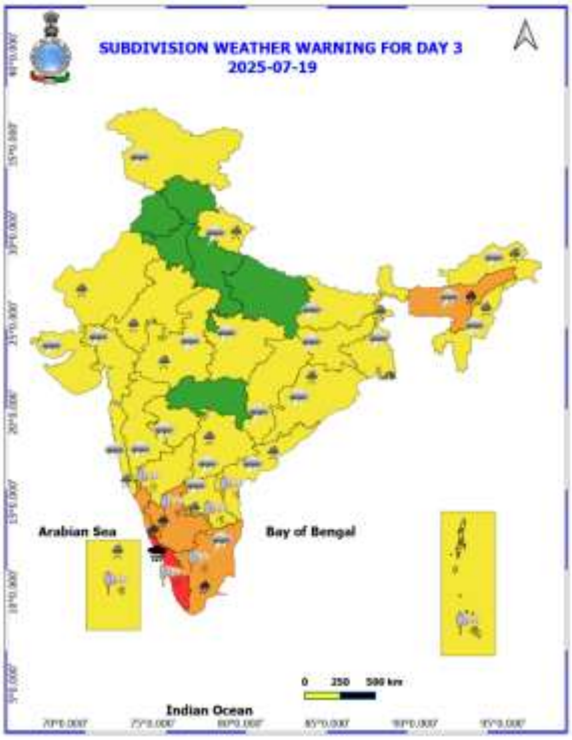
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

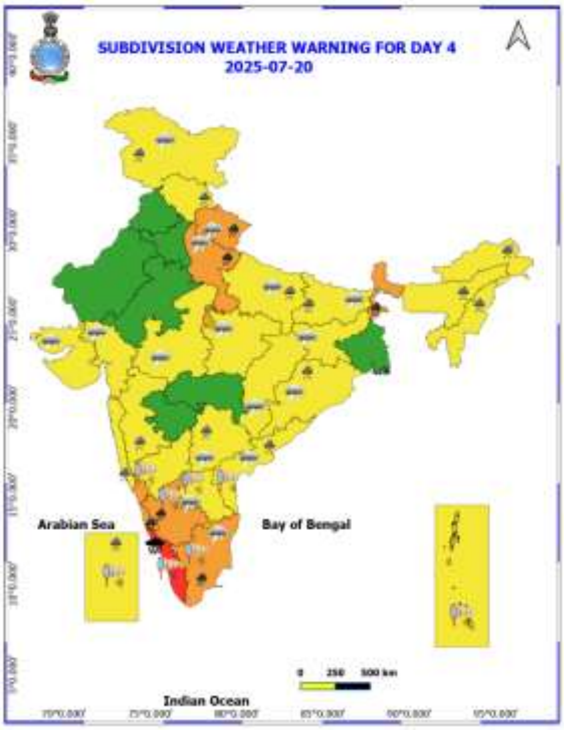

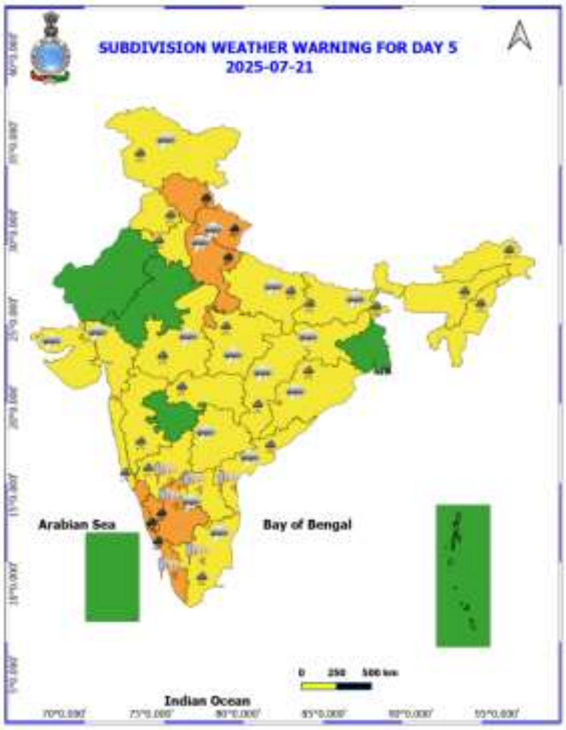

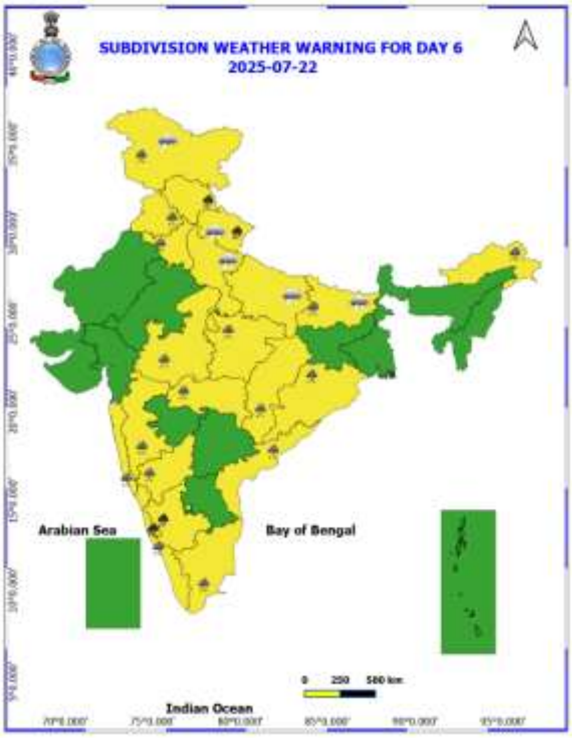

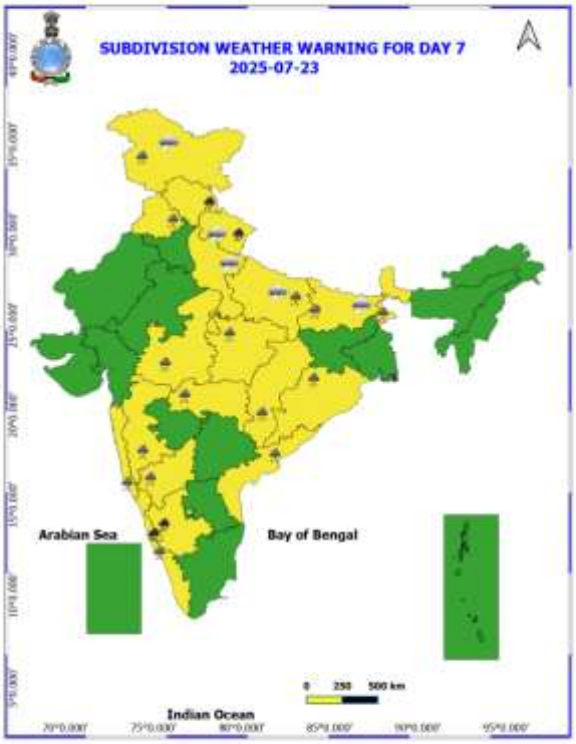

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 17 से 20 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है, जो 1°C तक दर्ज की गई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 33 से 34°C और 24 से 26°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहा, जबकि अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2°C तक कम दर्ज किया गया। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं, जिसमें कुछ समय के लिए झोंकों की गति 30 किमी प्रति घंटे तक पहुंची। अधिकांश स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा हुई और कुछ एक स्थानों पर मध्यम वर्षा भी रिकॉर्ड की गई। आज पूर्वाह्न में दक्षिण-पूर्व दिशा से कम गति (18 किमी प्रति घंटे से कम) की हवाओं के साथ सामान्य रूप से बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

17.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1 से 2°C कम होगा। सतही हवाएं दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर 10-12 किमी प्रति घंटे रह सकती है।

18.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। कभी-कभी तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटे तक होगी, जो 40 किमी प्रति घंटे तक भी जा सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 24 से 26°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से लगभग 25 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में यह घटकर 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा फिर से दक्षिण-पूर्व की होगी।

19.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी, जो दोपहर में बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम व रात में घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम रह सकती है।

20.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 25 से 27°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी, जो दोपहर में बढ़कर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और शाम व रात में बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है।

हल्की से मध्यम वर्षा व गरज/बिजली गिरने की संभावना के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कार्य:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में; 18 जुलाई को राजस्थान; 17, 19 और 20 जुलाई को केरल; 17 जुलाई को तटीय कर्नाटक और 17 और 18 जुलाई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 17 जुलाई को और 20-23 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 18, 20 और 21 जुलाई को पश्चिम उत्तर प्रदेश; 17 जुलाई को पूर्वी राजस्थान; 21-23 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश; 17-23 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तमिलनाडु, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 18 जुलाई को पश्चिम मध्य प्रदेश और 20 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **मध्य प्रदेश** में, खड़ी फसलों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **गिर्द क्षेत्र** में धान और आम की रोपाई तथा बाजरा, सोयाबीन और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। **किमोर पठार और सतपुड़ा पर्वतीय क्षेत्र** में धान की रोपाई और मक्का एवं सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और ज्वार की बुवाई और **बुंदेलखंड क्षेत्र** में सब्जियों और बागवानी फसलों की बुवाई स्थगित करें।
- ➢ **राजस्थान** के **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पर्वतीय क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द और मूंगफली की बुवाई स्थगित करें और खड़ी फसलों में जल निकासी सुनिश्चित करें। **दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और मक्का की बुवाई स्थगित करें और खड़ी फसलों में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें। **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा, तिल, उड़द और सब्जियों के खेतों से और **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

- **दक्षिण उत्तर प्रदेश** में खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान की रोपाई और मूंग, उड़द, मूंगफली और तिल की बुवाई स्थगित करें। **विंध्य क्षेत्र** में धान की रोपाई और मक्का, अरहर, बाजरा, उड़द, मूंग, मूंगफली और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में मक्का, ज्वार, अरहर, मूंग, उड़द और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें।
- **उत्तराखंड** में, सोयाबीन, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर, राजमा, सब्जियों और बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों और फलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, मक्का, अरहर, छोटे अनाज और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। लंबी या कमजोर फसलों को गिरने या टूटने से बचाने के लिए खूंटियों या बांस से सहारा प्रदान करें।
- **बिहार** में, **उत्तर-पूर्वी जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा और सब्जियों के खेतों में वर्षा जल को जमा न होने दें तथा **दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का और सब्जी की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **तटीय कर्नाटक** के **तटीय क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, रोपे गए धान के खेतों और सुपारी व नारियल के बागानों से तथा **पहाड़ी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों और मक्का, कपास और अदरक के खेतों तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें। **दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक** में, **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में धान, मक्का, उड़द, मूंग, सेम, लोबिया, गन्ना, सब्जियों एवं अदरक के खेतों तथा कॉफी, काली मिर्च, इलायची, सुपारी और केले के बागानों से तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, धान, रागी एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **केरल** में, जलभराव को रोकने हेतु धान की नर्सरियों, रोपे गए धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, गन्ना, मूंगफली और रोपे गए धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुविधाएँ सुनिश्चित करें। कपास के कोमल पौधों, गन्ने के छोटे पौधों और केले के फलदार पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

18-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभावित है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश - बांदा और फतेहपुर जिले।
पश्चिमी उत्तर प्रदेश - हमीरपुर, जालौन, झाँसी और महोबा जिले।
पूर्वी मध्य प्रदेश - छतरपुर, दमोह, कटनी, पन्ना, सागर, सतना और टीकमगढ़ जिले।
पश्चिमी मध्य प्रदेश - अशोकनगर, दतिया, गुना, ग्वालियर, मुरैना, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

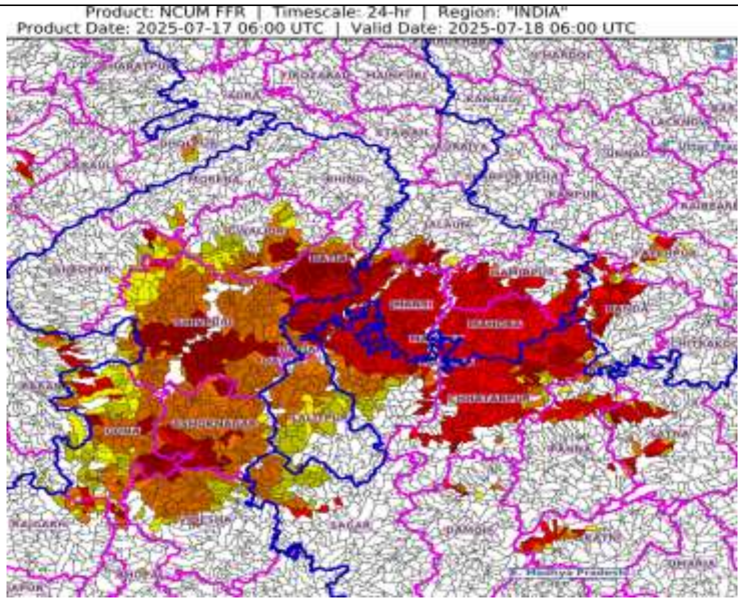

18-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभव है।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले।
केरल और माहे - कन्नूर, कासरगोड, कोज़ीकोड, माहे, मलप्पुरम, पलक्कड़ और वायनाड जिले।

दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से सटे - चिकमगलूर, हासन, कोडागु और मैसूर जिले।

तटीय तमिलनाडु - पुडुचेरी और कराईकल - नीलगिरि जिला।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

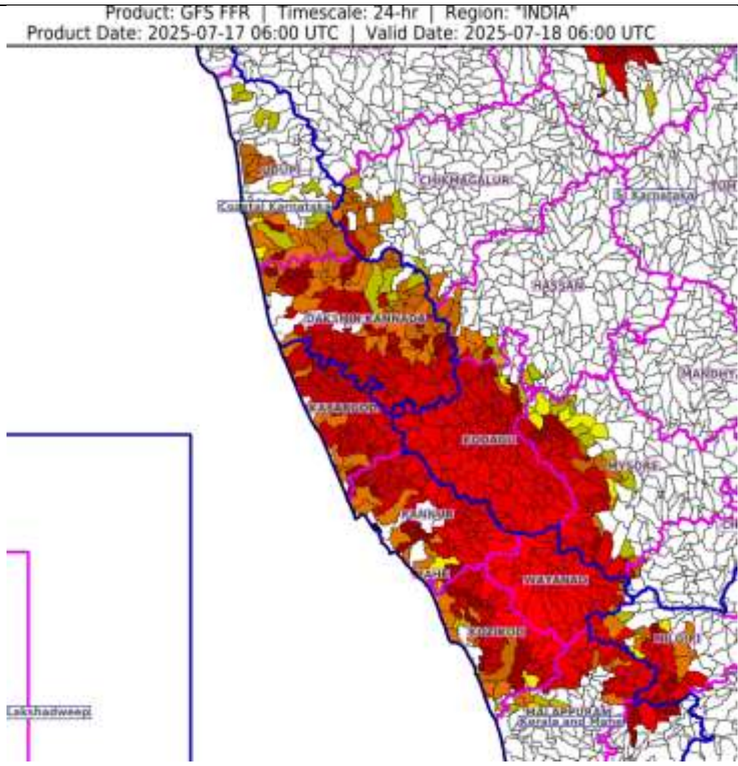

18-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहुल-स्पीति, मंडी, शिमला, सिरमौर और सोलन जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

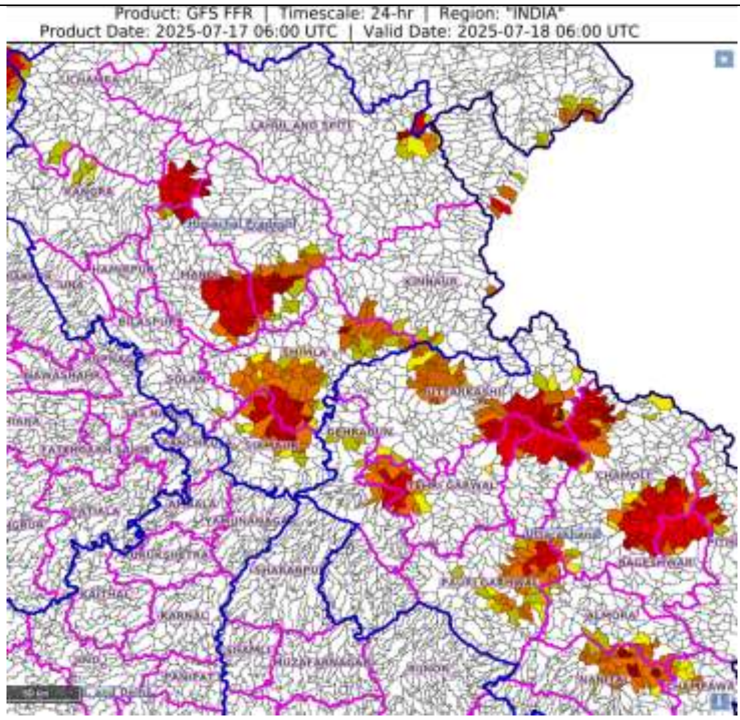

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1. Andaman & Nicobar Islands
2. अरुणाचल प्रदेश	2. Arunachal Pradesh
3. असम और मेघालय	3. Assam & Meghalaya
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. गंगीय पश्चिम बंगाल	6. Gangetic West Bengal
7. ओडिशा	7. Odisha
8. झारखंड	8. Jharkhand
9. बिहार	9. Bihar
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश	10. East Uttar Pradesh
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश	11. West Uttar Pradesh
12. उत्तराखंड	12. Uttarakhand
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. पंजाब	14. Punjab
15. हिमाचल प्रदेश	15. Himachal Pradesh
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख	16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. पश्चिम राजस्थान	17. West Rajasthan
18. पूर्वी राजस्थान	18. East Rajasthan
19. पश्चिम मध्य प्रदेश	19. West Madhya Pradesh
20. पूर्वी मध्य प्रदेश	20. East Madhya Pradesh
21. गुजरात	21. Gujarat
22. सौराष्ट्र	22. Saurashtra
23. कोंकण और गोवा	23. Konkan & Goa
24. मध्य महाराष्ट्र	24. Madhya Maharashtra
25. मराठवाड़ा	25. Marathwada
26. विदर्भ	26. Vidarbha
27. छत्तीसगढ़	27. Chhattisgarh
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम	28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. तेलंगाना	29. Telangana
30. रायलसीमा	30. Rayalaseema
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल	31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. तटीय कर्नाटक	32. Coastal Karnataka
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक	33. North Interior Karnataka
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक	34. South Interior Karnataka
35. केरल और माहे	35. Kerala & Mahe
36. लक्षद्वीप	36. Lakshadweep

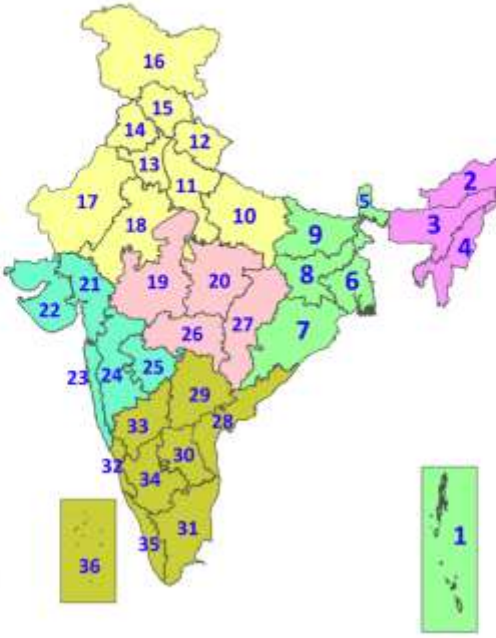

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)